



प्रोफेसर
धूबेश विठ्ठावास



हिन्दी सप्ताह
गतिविधियाँ



IIT खड़गपुर - एक
नया चैहा

हमें गर्व है - ईशान बर्मन

IIT के छात्रों ने दुनिया के हर कोने में हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। ईशान बर्मन भी उन छात्रों में से एक है। ईशान IIT से B.Tech करने के बाद MIT से Ph.D कर रहे हैं। पेशा है उनसे की गई बातचीत का एक अंश :-

आप Kgp से किस वर्ष पास आउट हुए? आप किस हाँल और विभाग में थे?

>मैंने Mechanical Engineering में अपना B.Tech. वर्ष 2005 में पूरा किया। मैं first year में JCB और उसके बाद RP में रहा। तब JCB और HJB, फच्चा हाँल हुआ करते थे।

अपने Kgp के अनुभव के बारे में कुछ बताएँ?

>इस प्रश्न का जवाब कुछ पंक्तियों में देना कठिन है। Kgp कई तरीकों में एक समृद्ध अनुभव था। मैं कुछ महान लोगों से मिला और उनसे बातचीत करके बहुत कुछ सीखने को मिला। विशेषकर SMST के Professor Sujoy Guha एवं Mechanical Engineering विभाग के Professor S.K.Roy Chowdhury ने Kgp के समय में मेरी काफी मदद की। बेशक Kgp का सकारात्मक पहलू यह था कि मैंने कुछ अच्छे दोस्त बना लिए थे जो आपके जीवनकाल का खजाना होते हैं।

जीवन गुलाब के बिल्टर की तरह भी नहीं था, कुछ कमियाँ थीं। फिर भी यह एक ऐसा अनुभव था जिसे मैं कभी भुलाना नहीं चाहूँगा।

आपका MIT में जीवन कैसा है? Kgp के कैम्पस जीवन से यह कैसे अलग है?

>MIT में जीवन कुछ हद तक Kgp के समान है और नहीं भी। जैसे आपको वहाँ के वातावरण में Kgp की तुलना में जल्दी ढंगा पड़ता है। दूसरे शब्दों में Kgp में जीवन यहाँ की तुलना में काफी आसान है। दूसरी तरफ जो दोस्ती और बंधन जो आप undergraduate रह कर निभाते हैं उन्हें आगे दोहराया नहीं जा सकता।

Academically, गुड़ी लागता है कि IIT के छात्र अमेरिका में अच्छा करते हैं मुख्यतः उनके पूर्ण प्रशिक्षण एवं प्रेरणा के कारण। मैं MIT के छात्रों के बारे में भी यही कहूँगा।

आप non-invasive glucose testing पर की जा रही अपनी research के बारे में कुछ बताइए। इस प्रोजेक्ट के पीछे क्या प्रेरणा थी?

>Diabetes Mellitus के दोनों प्रकार तथा gestational diabetes दुनियाभर में बीमारी और बढ़ती मृत्यु दर का मुख्य

कारण है। उपयुक्त इलाज के अभाव में आयु और जीवन गुणवत्ता बढ़ाने का प्राथमिक तरीका glucose रक्त को नियंत्रित करना है। आम तौर पर यह मापन रक्त परीक्षण द्वारा किया जाता है। चूंकि रोगी को दिन में 5 से 10 बार यह माप लेना होता है, यह बेहद दर्दपूर्ण और असुविधाजनक तकनीक है।

आपके शोध का मूलभूत तिद्धांत क्या है? यह तकनीक किस प्रकार काम करती है?

>हमारे शोध का बुनियादी डॉचा Raman Effect पर आधारित है। Laser की मदद से हम signals का छिपाना करते हैं और उन्हें detector से संग्रहित कर उनकी frequency मापते हैं।

Frequency में आप बदलाव से tissues में उपस्थित glucose का पता लगाया जा सकता है।

इस शोध में आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है?

>कई वर्षों के कड़े परिश्रम के बाद हमारी Laboratory ने प्रोफेसर Michael Feld के मार्गदर्शन में serum और whole blood samples में glucose का सफल परीक्षण किया। अभी हमारे सामने चुनौती है एक universal calibration algorithm के निर्माण की, जिसमें blood glucose और interstitial fluid glucose के बीच का अंतर स्पष्ट करना एक बड़ी बाधा है। Light की मदद से किया गया परीक्षण interstitial fluid glucose को मापता है जबकि रक्त परीक्षण blood glucose का आधार है। इस कारण से invasive और non-invasive sensor के calibration को कई बार दोहराना पड़ता है और modelling में कई प्रकार की गलतियाँ हो जाती हैं।

इस समस्या के समाधान के लिए हमने blood और interstitial fluid भागों के बीच spectroscopic algorithm से चलने वाले एक mass transfer model का निर्माण किया है।

इस प्रोजेक्ट पर आपके साथ काम कर रहे अन्य लोगों के बारे में बताएँ।

>हमारा शोध biomedical optics से संबंधित होने के कारण विभिन्न अनुसारणों का समागम है जहाँ कई engineers, scientists और विज्ञानिकल मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

विभिन्न समाचार शोर्ट्स के अनुसार आपके डिवाइस परीक्षण के प्रारंभिक

चरणों में है। कितनी दूर तक आप डिवाइस commercializing में हैं? कितने समय में यह एक वाणिज्यिक उत्पाद के रूप में उपलब्ध होगा?

>इस तरह के उत्पाद बाजार में कब आँगे यह भविष्यवाणी करना कठिन है क्योंकि इसमें बाजार एवं कई तरह के वित्तीय चर शामिल होते हैं साथ ही साथ FDA नियमों के लिए भी समय की जल्दी पड़ती है।



हालाँकि हम अपने यंत्र की व्यवहार्यता को जाँचने के लिए अभी विज्ञानिकल अध्ययन कर रहे हैं और इसके आकार को कम करने की कोशिश भी कर रहे हैं ताकि घरें व विज्ञानिकों में इसका उपयोग किया जा सके। हम आशा करते हैं कि 2011 तक सारा अध्ययन समाप्त हो जायेगा और लैपटॉप के आकार की प्रोटोटाइप अगले दो वर्षों में आ जाएगी। विकास के इस दौर में अगले 5-7 वर्षों में बाजार में इसकी उम्मीद करना अनुचित नहीं है। आखिर में वाणिज्यिक उत्पादन बड़ी मेडिकल कंपनी के लिए ही उत्पादक है और जैसे ही हम विज्ञानिकल संटीकाता वासिल करते हैं हम उन्हें टेक्नोलॉजी दे सकते हैं।

शोधकर्ता इस क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों से काम कर रहे हैं। वैज्ञानिक समुदाय की इस शोध पर क्या प्रतिक्रिया है?

>भले ही पिछले 15-20 सालों में इस क्षेत्र ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, परंतु इस सफल परीक्षण की राह में

कई बाधाएँ हैं। हमारे शोध के परिणामों ने दर्शाया है कि ऐसे उपकरण का निर्माण साध्य है। जब लक्ष्य की प्राप्ति कठिन होती है, एक लघु दिखने वाला सुधार भी राह को बहुत आसान बना देता है।

आपकी भविष्य की क्या योजनाएँ हैं?

>अभी वर्तमान में मैं अपने काम को जारी रखना चाहता हूँ। ये हमें कहाँ ले जाता है यह तो समय ही बताएगा।

इसके अलावा मैं किसी समय वापस भारत आकर भी काम करना चाहता हूँ। आखिर अपनी जड़ों से आपको हमेशा भावनात्मक लगाव रहता है।

एक पूर्ण लाभ होने के नाते आप वर्तमान छात्रों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

Kgp में जीवन का मजा लो ये तुम्हारे जीवन के कुछ अच्छे समय में से होंगे। अवसरों का फायदा उठाओ और अच्छे दोस्त बनाओ। और सबसे जल्दी आराम से जिओ।

मचा दिए गुरु!

“चूंकि IIT खड़गपुर में कैम्पस से बाहर कुछ नहीं है तो छात्रों का पहले ही आधा ही विकास हो पा रहा है और यदि इस पर GC को भी हटा दिया गया तो उनके जीवन का बाकी आधा विकास भी रुक जाएगा।”

(प्रो. RN बैनरी, इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग कैम्पस में GC की महत्वा पर)



पंजी DUDE

JCB canteen

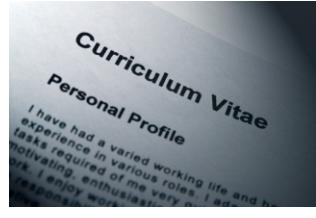


जे ची बी (jcb) थी,
अच्छी थी :

C. V. का लोड

“क्या होगा तेरा? क्या लिखेगा सी.वी. मैं? यही कि सारा समय बकर काटा और समय बचा तो बैठ गए कंप्यूटर में आँखें फोड़ने।” आई.आई.टी में शायद ही ऐसी कोई जगह होनी जहाँ ये अनगोल शब्द न गूँजे होंगे। आए दिन ऐसे वाक्य आपके पास से भी गुजरते होंगे और आप भी सोचते होंगे कि आखिर क्या होगा मेरा! फल्ट ईयर में ही लोग अपनी-अपनी सी.वी. बनाना शुरू कर देते हैं। जब मैंने भी टेम्पो में आकर अपनी सी.वी. पर ध्यान केंद्रित किया तो अंतरमन में सवाल उठा - “ऐसा क्या किया है मैं?”। उपलब्धी भी ये याद आती है कि मैंने इल्लू में अपनी चार्टाई की कपानी की थी। यूं देखा जाए तो मैंने कई जगह प्रयोग% किया पर कहीं भी कुछ मचा नहीं पाया। हर इन्टर हॉल ड्रामाटिक्स में पार्ट लिया पर खेल क्या मिला - पेड़ का। खेल-कूद को तो उम हो जाने का बहाना देकर खुद से दूर रखा पर साथियों का मनोबल बढ़ाने के लिए कभी-कभी फील्ड पर चला जाता था। जहाँ तक टेक्नोलॉजी की बात है तो “ऐज आँफ इम्पायर” में कई बार दुनिया को पाषाण युग से आधुनिक युग तक पहुँचाया पर इस चक्कर में मैं पाषाण युग में ही रह गया। अब ये बार्ते आत्मकथा में लिखी जा सकती है पर सी.वी. में कैसे?

मले ही प्लेसमेन्ट के आँकड़े कुछ अलग बोलते हों पर जब सी.वी.



बनाने की बात आती है तो KGPians सबसे आगे रहते हैं। जो छात्र प्रथम वर्ष में मरमूर रहते हैं वो सीनीयर हॉल में तरह - तरह के काम में लग जाते हैं। अब आप यह मत समझ बैठिए कि यह परिवर्तन रुचि के कारण आया है। इसके पीछे भी सी.वी. नामक शक्ति है। उनका सोचना है कि सी.जी. तो बन ही चुकी है अब सी.वी. बना ली जाए।

कुछ लोग जो सी.जी. के बदौलत कुछ नहीं कर पाते, वो एक्स्ट्रा - एकेडमिक्स की लाईन लगा देते हैं जिससे कुछ को कैम्पस में इयर-बैक, एस.क्यू के रूप में एक्स्ट्रा टाइम भी बिताना पड़ जाता है। अपने-अपने हॉल की सेवा में इतने मरम हो जाते हैं कि उनसे के.जी.पी छोड़ा नहीं जाता और अंत में कॉलेज को ही उन्हें विदा करना पड़ता है। कुछ प्रजातियाँ ऐसी भी होती हैं जो वो ही खेल चुनते हैं जिससे उनके इन्टर आई आई टी अथवा इन्टर हॉल में खेलने की संभावना बढ़े। ये फन्डे भी सीनीयर ऐसे देते हैं जैसे AREA-51 के राज खेल रहे हों। खैर! घंटों की मेहनत के बाद ये विचार अनायस ही निकल पड़े।

सी.वी. भर्ती-भर्ती जग मुआ , प्लेसमेन्ट भए न कोई तीन अंक सी.जी के , होए तो प्लेसमेन्ट होए ।

SOP-SPECIAL OP

हाँ भई op का सीजन आ गया है और मिडसेम भी खट्टम हो चुका है। पर फिर भी आपको हर हॉल में लोग सफेद शर्ट और काले पैंट में इधर उधर भागते नजर आ जाएंगे। अरे हाँ बिल्कुल सही पहचान। ये वही बेचारे 2nd ईयर हैं जो कुछ दिनों पहले Toll-free no. की तलाश में इधर उधर घूम रहे थे। खैर ये कतई नई बात नहीं। यह काम भी कंजीपी कल्चर का ही पार्ट है। और इसी कल्चर का पार्ट बनने चले हैं अपने बंकू भैया। नहीं जी, मैं भूतनाथ के बच्चे की बात नहीं कर रहा हूँ। बंकू बस दो महीने पहले ही 2nd ईयर में आया है। अपने सारे बैचमेट्रस की तरह उसने भी 1st ईयर को खूब एन्जॉय किया। लंबी मूँछें, बड़ी दुर्दानी, 3rd फॉर्मर और स्टाइलिश टीशर्ट में घूमते हुए मरतमला बंकू को हम देखते थे। पर जैसे ही उसके हवाई चप्पल पहने हुए कदमों ने 2nd ईयर के प्रवेश द्वार का कलश गिराया मानो चारों तरफ अंधेरा सा था गया। हमारा बंकू कलीनशोब रहने लगा। फॉर्मल कपड़े पहनने लगा और उसके मुँह से गुड मॉनिंग की बौछार सुनके तो नारद मुनि भी शर्मा जाएँ। अंततः बंकू ने अदम्य साहस और धैर्य का प्रदर्शन करते हुए ऊँचे अंकों के साथ op की कठिन परीक्षा पर विजय

तिरंगा लहराया। पर क्या हमारा बंकू आज्ञाद हो गया? अफसोस से हमें ना कहना पड़ेगा। op में शानदार प्रदर्शन का ईनाम उसे sop के रूप में मिला। पता नहीं अपनी खुद की इच्छा से या cv बनाने के चक्कर में बंकू हॉल में secy बनने को तैयार हो गया। और फिर हमने बंकू को सफेद शर्ट, लैंप पैंट और फॉर्मल जूतों में हॉल में इधर उधर दौड़िते देखा। उसका संकट शुरू हुआ अपने gsec के रूप से जहाँ बेचारे को लिखने और याद करने के लिए हजारों फंडे मिल गये और साथ में एक लंबी चौड़ी लिस्ट पकड़ा दी गयी। अब बंकू निकल पड़ा हर उस व्यक्ति से मिलने जिसका नाम उस लिस्ट में था। बंद ताले देख देखकर एवं “बाद में आना” सुन सुनकर वह फूर्त हो चुका था। खैर तीन चार दिनों में उसने वो लिस्ट पूरी कर ही डाली। अब समय आ गया था 2nd ईयर के अल्टीमेट टेस्ट का। जी हाँ, statement of purpose जिसे हॉल में स्पेशल op कहते हैं किसी भी 2nd ईयर के लिए दर्दनाक लम्हा होता है। formality निपटा कर लोग फिर ऐसे ऊटपट्टेंग सवालों पे आ जाते हैं जिन सवालों की उम्मीद बंकू ने अपने बुरे सपने में भी नहीं की होगी। ज्ञाप्त और गालियाँ तो ऐसे मिलती हैं जैसे मानो मिठाइयाँ और सिवहियाँ खिला रहे हों।

आमने सामने - प्रोफेसर धूबेश बिस्त्वास

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि संस्थान में 'Rajendra Mishra School Of Engineering Entrepreneurship' नामक एक केंद्र की स्थापना की गयी है। इसी संदर्भ में हमने SoEE प्रमुख प्रोफेसर धूबेश बिस्त्वास से बातचीत की। प्रत्युत है हमारी इस बार्ट के प्रमुख अंश -

आवाज - सुनसे पहले तो हम आपसे ये जानना चाहेंगे कि SOEE शुरू करने का गूल उद्देश्य क्या है?

धूबेश बिस्त्वास - मेरा मानना है कि IIIT के अभियंता (engineers) देश का नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं। पर वे किसी की नीकरी कर अपनी क्षमता का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते। इसलिए हमने यह निर्णय लिया कि IIITians को नेतृत्व के गुण सिखाए जाने चाहिए। इसके अलावा भारत में उत्पादन की काफी कमी है। हमारे यहाँ अधिकतर बाहर की कम्पनियाँ राज करती हैं। SoEE के माध्यम से जिन कंपनियों के सामने आएंगी उससे ये समस्या भी कम होगी।

आवाज - इस बार इस कोर्स में कितने

तक हर सेमेस्टर एक कोर्स होगा जो कि breadth के स्थान पर होगा। अतः छात्रों पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।

पाँचवे वर्ष में छात्र को 4 कोर्स लेने होंगे तथा उनका B.Tech प्रोजेक्ट एक प्रोडक्ट होगा। हर सेम के कोर्स के तीन केंटिंग होंगे तथा B.Tech प्रोजेक्ट का हर सेम में एक केंटिंग होगा। अतः SOEE के जरिए आप अपने B.Tech प्रोजेक्ट को एक प्रोडक्ट बना सकते हैं।

आवाज - क्या यह कोर्स भारत में पहली बार शुरू किया गया है?

धूबेश बिस्त्वास - हाँ, वास्तव में र्जनातक स्तर पर तो यह विश्व में प्रथम बार शुरू किया गया है।

आवाज - इस बार इस कोर्स में कितने

छात्र हैं और क्या JEE कांसिलिंग में भी समिलित किया गया था?

धूबेश बिस्त्वास - फिलहाल द्वितीय वर्ष के 30 छात्र इस कोर्स में हैं। हाँ यह JEE कांसिलिंग में भी था पर अफसोस की बात यह है कि किसी भी छात्र ने इसमें अपना पंजीकरण नहीं कराया।

आवाज - क्या यह कोर्स M.Sc के छात्रों के लिए भी है?

धूबेश बिस्त्वास - वर्तमान में तो ऐसा नहीं है, पर आगे विचार किया जा सकता है।

आवाज - क्या इस कोर्स के बाद छात्र प्लेसमेन्ट ले सकता है?

धूबेश बिस्त्वास - हाँ बिल्कुल। जबकि आपका बीटेक प्रोजेक्ट जाँब अर्जित करने में आपकी मदद करेगा। अगर छात्र तुरन्त प्लेसमेन्ट ना लेना चाहे तो वह दो वर्ष रुकने के बाद भी प्लेसमेन्ट ले सकता है, और अपने अपने प्रोडक्ट को विकसित करने के लिए उसे STEP से धन भी मिल सकता है।



छात्र एक करोड़ तक का फंड प्राप्त कर सकते हैं। STEP के एक स्टार्ट अप ने एक करोड़ रुपये की फंडिंग अर्जित की है।

आवाज - इस बार डेफर्ड प्लेसमेन्ट की क्या स्थिति रही?

धूबेश बिस्त्वास - इस बार TIETS से 13 छात्रों को डेफर्ड प्लेसमेन्ट मिला है।

आवाज - सर, अब जबकि डेफर्ड प्लेसमेन्ट को 2 साल हो चुके हैं, तो उस वर्त खुली कम्पनियों की क्या स्थिति है? क्या उनमें से किसी छात्र ने कम्पनी छोड़ कर जाँब लिया?

धूबेश बिस्त्वास - कम्पनियाँ आशा के अनुरूप अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और किसी भी छात्र ने जाँब नहीं लिया है।

आवाज - एक उद्यमी के नाते आप छात्रों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

धूबेश बिस्त्वास - मैं बल यह करना चाहूँगा कि SOEE एक डिग्री नहीं एक प्रोडक्ट का विकास हो। पहला - ग्रांट, यह पैसा छात्रों की संख्या 30 नहीं बल्कि कम से कम 200 हो।

हम बड़े हर्ष के साथ पाठकों के समक्ष इस सैमेस्टर का दूसरा अंक प्रस्तुत कर रहे हैं। हम कैम्पस की समस्याओं को उजागर करने व उन्हें सुलझाने के अपने कार्य की ओर प्रतिबद्ध हैं और हमेशा इस तरफ सार्थक प्रयास में लगे हुए हैं। हमारी यही कोशिश रही है कि हम संस्थान के अधिकारियों व छात्रों के बीच एक ज़रिया बनें जिससे दोनों के बीच एक मजबूत रिश्ता कायम हो।

हम यह जानते हैं कि कई अवसरों पर हम अपना यह कार्य श्रेष्ठतम तरीके से करने में असमर्थ रहे हैं परंतु हमारी यही कोशिश रही है कि हम बेहतर करें। हम अपने पाठकों का धन्यवाद करना चाहते हैं जिन्होंने हमें अपने कार्य को बेहतर करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया है।

हम प्रथम वर्ष में आए छात्रों का फिर से हार्दिक अभिनंदन करते हैं। पिछले अंक में हमने फच्चा विशेषांक के पन्नों को खासकर अपने प्रिय प्रथम वर्षीय छात्रों के लिए पेश किया था। आशा है कि आप सभी को वह पसंद आया होगा। अब हमने प्रथम वर्षीय छात्रों का भी चयन टीम में कर लिया है और आशा करते हैं कि इनके लेख आप सभी को पसंद आएँगे।



नालंदा के खण्डिम इतिहास को पुनर्जीवित करने का प्रयास

भारतवर्ष में उच्च शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। हाल ही में शंघाई जियाओ टांग विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित Academic Ranking of World Universities (ARWU) के सर्वोत्तम 500 विश्वविद्यालयों की सूची में केवल दो भारतीय संस्थानों का नाम है।।। खड़गपुर और IISe बंगलौर। साथ ही सर्वोत्तम 100 विश्वविद्यालयों की सूची में एक भी भारतीय संस्थान का ना होना हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था और अनुसंधान के स्तर को दिखाता है।

भारतवर्ष में जहाँ नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय रह चुके हैं वहाँ भारतीय विश्वविद्यालयों की यह दशा निराशाजनक और चिंताजनक है।

अभी हाल ही में लोकसभा ने नालंदा की ऐतिहासिक धरोहर को पुनर्जीवित करने हेतु तथा नालंदा में एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय विधेयक 2010 पारित किया है। यह ईस्ट एशियन समिट के 15 देशों का सम्मिलित प्रयास है। इस योजना के लिए भारत सरकार ज़मीन उपलब्ध कराएगी तथा तथा ईस्ट एशियन समिट के अन्य देश फंड का प्रबंध करेंगे। इस विधेयक के अनुसार इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य पूर्वी एशिया के भविष्य के नेताओं को एक साथ लाकर तथा उनमें इतिहास में हुई घटनाओं की समझ विकसित कर, क्षेत्रीय शांति और विकास को बढ़ावा देना है।

नालंदा को पुनर्जीवित करने तथा वहाँ एक विश्वविद्यालय की स्थापना करने का प्रस्ताव पहली बार पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा उनकी सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा के दौरान 2006 में प्रस्तुत किया गया था। बिहार विधानसभा को संबोधित करते हुए भी उन्होंने इस प्रस्ताव को विस्तार से शामिल किया था। उनकी इस पहल को सिंगापुर तथा बिहार राज्य सरकार दोनों ने काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सिंगापुर ने 2006 में नालंदा सिम्पोजियम का आयोजन किया था जिसकी वजह से पूर्वी एशियाई देश मुख्यतः चीन, जापान, कोरिया देश इस प्रोजेक्ट में सहभागी बनने हेतु तैयार हो गये। 2007 में बिहार विधानसभा ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु विधेयक पारित किया तथा इस हेतु आवश्यक ज़मीन भी बिहार सरकार ने जल्द ही अधिग्रहित कर ली। इस योजना को पूरा करने हेतु प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन की अध्यक्षता में एक नालंदा मेन्टर ग्रुप का गठन किया गया है, जिसके अन्य सदस्य नंद किशोर सिंह (योजना आयोग, बिहार सरकार), मेघनाद देसाई, सुग्राता बोस, वांग बानर्जी, ईक्यूयो हीरायामा, जॉर्ज येओर तथा तानसेन सेन हैं। हाँलांकि 2010 से नालंदा में पठन-पाठन का कार्य प्रारंभ होने वाला था, किंतु अमर्त्य सेन के मुताबिक इसे मूर्त रूप देने में अभी थोड़ा और समय लगेगा।

लोकसभा में पारित विधेयक के अनुसार प्रारंभ में नालंदा विश्वविद्यालय में बौद्ध



हाल में कैम्पस में संस्थापना दिवस, खतंत्रता दिवस आदि के साथ माहौल शांत ही रहा। इसके अतिरिक्त स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर व रक्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग ऑफ़ एन्टरप्रनरशिप पर लेख उपस्थित है। देश की बात करें तो परमाणु बिल का लोकसभा में पास होना, डायरेक्ट टैक्स नियमों का कैबिनेट में पास होना,

बाबरी मस्जिद मामले का इलाहाबाद उच्च न्यायालय में फिर से आना, मुकेश अंबानी का वर्ल्ड इकानोमिक फोरम बोर्ड में शामिल होना आदि प्रमुख रहे हैं। आगामी क्रमनवेत्त्व में ही चहोटालों की तो कोई सीमा ही नहीं रही है। राजनीति में नैतिकता के गिरता स्तर एक नई बहस को जन्म देता रहा है और इस पर हमें अपनी विचार करने की आवश्यकता है।

बस इन वर्चनों के साथ हम अपने पाठकों से आज्ञा माँगते हैं।

जय हिन्द
संपादक, आवाज़

रचनात्मक

आवाज़ टीम

संपादकः

अमन कुमार, आशुतोष कुमार मिश्र, सिद्धार्थ दोशी

सह संपादकः

मधुसूदन, अनुराग कटियार, कुणाल मिण्डा, निधि हरयानी, निष्ठा शर्मा, प्रतिक भास्कर, सीमान्त उज्जैन, खाति दास, सुप्रिया शरण

स्पोर्ट्स

अनिमेष चौधरी, अमित कुमार डालमिया, रोहन भटोरे, वैभव श्रीवास्तव, सुगन्धा, सुशील राठी, विक्रम वोलेटी, चारू आत्रे, पृष्ठम भारद्वाज, रचित कोठारी, राजा पासावान, अभिषेक कुमार, सीरव शाँ, पुलकित मल्होत्रा, आदित्य थारे

जूनियर स्पोर्ट्स

प्रशांत झा, संगम तीर्थराज, विकास कंसारी, निकुंज शर्मा, विकास दुबे, गोपीनाथ सोरेन, हर्षि बंसल, अद्याशा महरना, राजेश चंजन, नैन्ती, शाबाहत शक्ति

पाठकों के विचार एवं सुझाव आमंत्रित हैं।
editor.awaaz@gmail.com

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

For door step delivery:-
Call 9932486646

Break n' Bite
a food e'lan

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At – Hotel Park Arcade
Near – IIT Kharagpur

हिन्दी सप्ताह गतिविधियाँ

विगत दिनों संस्थान में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में, 7 सितंबर से 14 सितंबर तक हिन्दी सप्ताह समारोह का सफल आयोजन किया गया। इसके पहले दिन 7 सितंबर का प्रारंभ, मुख्य अतिथि सह-निर्देशक प्रो. ए. के. मंजुमदार द्वारा दीप प्रज्ञवलन तथा प्रो. पी. डी. श्रीवास्तव द्वारा पुष्पाभिनंदन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, “हमारे संस्थान में अधिकांश विद्यार्थी और कर्मचारी गण, हिन्दी में बातचीत करते हैं और समझते हैं। हमारे संस्थान में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रशिक्षण योजनाएँ काफी सफल हैं और संस्थान के 90 कर्मचारियों ने प्रवीण एवं प्रगत तर्तुर तक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आवश्यकता इस बात की है कि हमलोग अपनी भाषा पर बैठें ही गौरव का अनुभव करें, जैसे जापान, रूस, फ्रांस, चीन आदि के लोग अपनी भाषा पर करते हैं।”

समारोह को आगे बढ़ाते हुए दूसरे दिन 08 सितंबर को, संस्थान के छात्रों के बीच सूजनात्मक प्रतियोगिता हुई जिसका विषय था “निज भाषा उन्नत है सब उन्नत का मूल।” प्रतियोगिता में संग्रह प्रथम, सरिता द्वितीय, प्रशांत तृतीय और अरुण चतुर्थ स्थान पर रहे। तत्पश्चात् संस्थान कर्मचारियों के बीच, वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई जिसका विषय था “क्या प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए।”

समारोह के तीसरे दिन रक्कूली बच्चों में निबन्ध प्रतियोगिता कराई गयी, जिसमें 5 रक्कूलों से 60 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। फिर हिन्दीतर एवं हिन्दी भाषी कर्मचारियों के लिए पृथक निबंध प्रतियोगिता कराई



इनसे क्या कहें

अमृत: जाति आधारित जनगणना पर सरकार ने अपना निर्णय ले ही लिया। प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता में कैबिनेट मंत्रियों के समूह ने आखिर इसे अपनी मंजूरी दे दी। लेकिन इस निर्णय तक पहुँचने की ज़दीजहद में भारतीय राजनीति का एक विचित्र किंतु विरपरिचित रूप देखने को मिला। हमारे देश के दो सबसे बड़े राजनीतिक दल, कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी महीनों तक यही निर्णय नहीं ले पाए कि वे इस मुद्दे के पक्ष में हैं या विपक्ष में। अपना पक्ष रखने के लिए दोनों एक दूसरे का मुँह उसी प्रकार ताकते रहे जिस प्रकार गली में किकेट खेलते समय बालक पहले गेंदबाजी करने के

लिए ताका करते हैं। भाजपा के कुछ नेताओं का तो ये भी कहना था कि हर बार विपक्ष ही अपना मत पहले कर्यों दे, सरकार का अपना भी तो कोई विरोक्त है। गोयाकि ये मत नहीं, लखनवी नवाबों की गाड़ी हुई कि सब लगे “पहले आप पहले आप” करने। और इन सबका हश्श ये हुआ कि पहले ही जो देश जातीय समीकरणों में इतना उलझा हुआ है उसका आगे क्या हाल होगा, किस प्रकार नए जातीय आँकड़ों से वोटों के बहीखातों पर असर होगा और अनेक प्रकार के आरक्षणों को घटाने बढ़ाने के लिए नये सिरे से कितनी सर फूटव्हल होंगी, इस पर किसी का ध्यान नहीं गया। खैर अब इनसे क्या कहें, हम तो खुद ही से कहेंगे कि हर शाखा पे उल्लू बैठ है, अंजाम-ए-हिन्दोस्तां क्या होगा!

एशियाड 82 और ‘कॉमनवेल्थ गेम्स’ 2010

एशियाड 82 ने भारत की मेजबानी में एक अभूतपूर्व मुकाम को हासिल किया था। स्वतंत्र भारत ने विश्वासमुदाय को अपनी व्यवस्थापन संबंधी कार्य कुशलता का आभास करवाया था। एशियाड 82 हमारे पुर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी द्वारा संचालित पहला विशाल कार्य था, जिसे उन्होंने बखुबी निभाया था। एक बार तो कोई विशेष आपात परिस्थिति में वे इन्दिरा गांधी के जन्मदिवस सामारोह में भी उपस्थित न हो सके। इससे उनकी अतुलनीय समर्पण भावना जाहिर होती है।

अब जरा वर्तमान परिस्थिती पर गौर करे CWG की Olympic committee के मुख्या सुरेश कलमाडी जी का अधिकार वक्त तो अभी दूरदर्शन के प्रसार कक्ष में अपने अभियंतित मित्रों एवं उनके द्वारा किये गये संदिग्ध सौदों का बचाव करते हुए ही व्यक्ति होता है। उन्हे यह बोलते हुए तनिक सा भी संकोच न हुआ कि OC कीड़ास्थलों के देखरेख की जिम्मेदारी उनके नवीनीकरण के बाद ही लेगी और अभी उनका इससे कोई मतलब नहीं है।

जहाँ एशियाड 82 की पूरी तैयारी मात्र दो सालों में सम्पन्न हुयी थी वहीं CWG को सात वर्ष लग गए। 82 में कुल 18 कीड़ास्थलों का नवीनीकरण हुआ था जिनमें 8 पुर्णतयः नये थे। वहीं CWG में मात्र 3 कीड़ास्थल नये हैं। एशियाड के दौरान भारत ने प्रथम बार विश्वस्तरीय अवसरण्यनाये देखी थी। दिल्ली को भी अपना फ्लाईओवर उसी दौरान मिला था।

उस दौरान निर्मित इन्दिरा गांधी स्टेडियम अपने श्रेणी में एशिया एवं यूरोप में तभी का सबसे विश्वालकाय एवं उत्कृष्ट कीड़ांगन था। एशियाड के

हिन्दी सप्ताह गतिविधियाँ

गयी। चौथे दिन संस्थान के कर्मचारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता तथा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी टिप्पणी प्रतियोगिता कराई गयी, जिसका विषय था “II खड़गपुर में हिन्दी के प्रयोग को कैसे बढ़ाया जाए ?”। 10 सितंबर को प्रो. पी. के. श्रीवास्तव ने ‘ऊर्जा संरक्षण’ विषय पर साइंस कार्टून के माध्यम से कालीदास ऑडिटोरियम में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। 13 सितंबर को संस्थान कर्मचारियों के मध्य वर्तनी प्रतियोगिता हुई।

14 सितंबर को हिन्दी दिवस प्रो. पी. डी. श्रीवास्तव द्वारा मुख्य अतिथि प्रो. बी. के. माधुर द्वारा पुष्पाभिनंदन किया गया, जिसके पश्चात् मुख्य अतिथि ने रवागत भाषण दिया। फिर हिन्दी अधिकारी ने गृहमंत्री पी. चिदंबरम का संदेश पढ़ा : “कार्यालयों में हिन्दी में मूल टिप्पणी व पत्राचार को प्रोत्साहित किया जाए तथा कठिन हिन्दी के बजाय सरकार एवं सहज हिन्दी का प्रयोग किया जाए। केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों, विभागों और कार्यालयों को यूनिकोड के बारे में बताया गया है, लेकिन इस तकनीक का पूरा लाभ उठाने के लिए इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।”

उसके बाद सम्मानीय प्रो. माधुर ने अपने व्याख्यान में भी दैनिक कामकाज में हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया। समारोह का समापन करते हुए मुख्य अतिथि ने सभी विजेताओं को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किये एवं विभाग प्रभारियों को हिन्दी दिवस समृद्धि चिन्ह दिये। अंत में हिन्दी अधिकारी श्री राजीव कुमार रावत ने धन्यवाद ज्ञापन कर, हिन्दी दिवस सप्ताह के समापन की घोषणा की।

एक नई वीरांगना

आरटीय सेना के इतिहास में पहली बार किसी महिला को सर्वश्रेष्ठ अँल राउंडर कैडेट का सम्मान दिया गया। चेन्नई निवासी

21 वर्षीय मिस दिव्या अजीत कुमार को यह सम्मान दक्षिणी चेन्नई स्थित Officer's Training Academy (OTA) में 18 सितंबर को दिया गया। मिस कुमार ने तकरीबन 230 कैडेटों, जिनमें 70 महिलाएं भी थीं को 49 सप्ताह के भीषण प्रशिक्षण में हराकर यह सम्मान हासिल किया। सभी कैडेटों को लैपटॉप का पद दिया गया। इस पाठ्यक्रम में 25 विषय शामिल होते हैं जिसमें एकेडमिक, हथियार चलाना, धैर्य का परीक्षण आदि शामिल हैं। OTA प्रवक्ता मेजर



R.K.Choudhary के अनुसार यह मिस कुमार ने समग्र सूची में सबको पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया है।

मिस कुमार के

अनुसार वह सिविल सर्विसेस में जाना चाहती थी। परंतु, National Cadet Corps (कॉलेज छात्रों के लिए एक चैरिटी संगठन) से जुड़ने के पश्चात् उन्होंने अपना विचार बदल लिया। मिस कुमार के पिता अजीत कुमार के शब्दों में “उसने प्रशिक्षण के दौरान कई पुरस्कार जीते परंतु उसने इस पुरस्कार को जीतने की उम्मीद नहीं की थी।” गौरतलब है कि भारतीय सेना ने 1992 के बाद ही महिला अधिकारियों की भर्ती शुरू की थी। परंतु अभी भी महिलाओं को मुकाबले के लिए नहीं भेजा जाता है।

वास्तुविद् शरददास ने उस दौरान वास्तुकला एवं भवन निर्माण की विरच्चत एवं बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत किया था। वहीं दिल्ली सरकार ने CWG की 35 में से 6 परियोजनाओं पर यह आपत्ति जाती थी कि वे दिल्ली के साइरक आवागमन को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। परियोजना कार्यान्वयन संस्थाओं (जैसे CPWD) ने भी OC को कार्यों में हो रहे विलम्ब के लिये जिम्मेदार ठहराया है। सन् 82 में जहाँ तकालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने व्यक्तिगत रूचि ली थी, जबकि UPA-2 की तो आँखे तब खुली जब मीडिया ने CWG से जुड़े संदिग्ध सौदेबाजी और कार्यों के क्रियान्वयन में हो रही अनियमितताओं एवं अनावश्यक देरी के प्रति लोगों को चेताया। वर्तमान सरकार ने अपने सचिव को मात्र 2 माह पहले कार्यों के निरीक्षण का जिम्मा सौंपा है, वहीं सन् 82 में इसका जिम्मा ताकालीन सचिव एस एस गिल, जिन्हें इस कार्य के उत्कृष्ट निर्वहन के लिये बाद में पदम् विभूषण से सम्मानित किया गया था, को 6 महीने पहले ही मिल चुकी थी। CWG में आये दिनों हो रही दुर्घटनाओं एवं सहभागी देशों द्वारा सुरक्षा कारणों को ले कर उठाये जा रहे सवालों भी चिन्ता का सबब हैं। इन सबके अलावे भी अनेक प्रश्न CWG के OC के कार्य तरीके पर उठती हैं।

चूंकि सन् 82 को गुजरे 28 वर्ष हो चुके हैं तो जनता यह उम्मीदें लगायी बैठी है कि भारत इस बार भी अपना परचम और श्रेष्ठता सारे विश्व जगत में प्रदर्शित करेगा। सिर्फ चंद दिन शोष है और बेसब्री से सभी को है इसका इन्तजार, माना की OC के तौर परीके विवादालय है, परन्तु अभी सबसे ज्यादा जरूरत है एकजूत होकर राष्ट्रकूल खेलों को सफल बनाने की। जय हिंद!

IIT खड़गपुर - एक नया चेहरा

 हमारे कैंपस में छात्रों की संख्या फिलहाल लगभग 9 हजार है। इसके 2012 तक 11500 और 2020 तक 20 हजार के आंकड़े को छूने का अनुमान है। बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से संस्थान को कुछ नई इमारतों और सुविधाओं की ज़रूरत तो है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हम प्रोफेसर निर्जन धांग से मिले जिन्होंने हमें संस्थान को मिलाने वाली नई सौगातों की विस्तार में जानकारी दी। इन निर्माण कार्यों के पूरे होने पर संस्थान की तस्वीर ही बदल जाएगी। आइये नज़र डालते हैं बदलाव के इन प्रतीकों पर :

छात्र गतिविधि केंद्र (SAC)

कैम्पस में नार्थ ब्लॉक में छात्र गतिविधि केंद्र यानि Student Activity Centre (SAC) का निर्माण प्रगति पर है। दिनभर लेक्चर, लैब, प्रोजेक्ट, परीक्षा आदि अकादमिक बोझ तले दबे छात्रों के मनोरंजन एवं संपूर्ण विकास के लिए ऐसे केंद्र का निर्माण आवश्यक समझा गया। IIT खड़गपुर में पिछले कुछ वर्षों में तो जी से बढ़ी जनसंख्या के हिसाब से भी इसका निर्माण जरूरी था। 12 करोड़ की अनुमानित लागत वाले इस केंद्र के जून 2011 तक पूरे होने की उम्मीद है। IIT खड़गपुर के 60 वर्ष पूरे होने पर हमारी IIT में Inter-IIT खेलों का आयोजन हो रहा है। SAC के के निर्माण कार्य को इससे पहले पूरा करने का लक्ष्य है, ताकि Inter-IIT खेलों में भी इसकी सुविधाओं का लाभ उठाया जा सके। इस केंद्र के कुछ मुख्य आकर्षण हैं-



- 1 | 2000 तक की संख्या में छात्रों को खाना परोसने वाले एक फूट कोर्ट का, ज्ञान घोष चर्टेडियम के पास बनाना प्रस्तावित है। यह फूट कोर्ट केंद्र के पास बनेगा जिससे छात्रों को सुविधा हो।
- 2 | कैम्पस में भीजूद विभिन्न सोसाईटियों के लिए अलग से कमरों का निर्माण।
- 3 | एक मल्टी-प्रपस कोर्ट जो कि विविध गतिविधियों में काम आएगा।
- 4 | रवास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए योगा के लिए एक अलग कमरे का निर्माण।
- 5 | भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) के लिए एक अलग कमरे का निर्माण।
- 6 | बिलियर्ड्स और रस्वैश जैसे खेलों के लिए कमरों का निर्माण, जिनसे KGP की जनता अब तक महसूल थी।

नालंदा अकादमिक कांप्लेक्स

IIT खड़गपुर के बाकी के जीवनकाल की ज़रूरत को पूरा करने में सक्षम 34080 छात्रों को बैठा सकने वाले एक महाविश्वाल अकादमिक कांप्लेक्स के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया था। चूंकि इतना बड़ा निर्माण कार्य इतनी जल्दी पूरा करना संभव नहीं था, तो इस चार ब्लॉक वाले अकादमिक कांप्लेक्स के एक ब्लॉक (ब्लॉक B) के ही निर्माण का लक्ष्य रखा गया। जिसके जुलाई 2011 तक पूरे होने की आशा है। यह 88 क्लासरूम वाला केंद्र होगा जिसमें एकसाथ 9600 छात्र बैठ सकेंगे। इसका निर्माण RDC केंद्र के पास होना है। NCC केंद्र को भी दूसरी जगह स्थानांतरित किया जा रहा है। नालंदा कांप्लेक्स के निर्माण के पीछे उद्देश्य था कि विभिन्न डिपार्टमेंट में होने वाली

क्लासरूम का उपयोग लैब एवं रसायन ऑफिसों के लिए किया जा सके। इस कांप्लेक्स के अंतर्गत 1000 सीटों वाले ऑडिटोरियम एवं 2000 की क्षमता वाले फूट कोर्ट के निर्माण का प्रस्ताव है।



Kamal Sports

Deals in
*Sports *Fitness
*Health

16-A, Gole Bazar, Kharagpur
Contact:- 9933521191, 7797326993

DC top 5

1. Taboo trials of faith (documentary)
2. The other guys (movie)
3. Bitches (play)
4. No ordinary family (TV series – Season 1)
5. Star Wars complete collection (Sci-Fi movie)



कुछ अन्य निर्माण कार्य

1 Signature Building

इस इमारत का उद्देश्य था कि यह विश्व के सामने IIT खड़गपुर की प्रगति एवं उसके नए चेहरे को पेश करे। सार्वसुविधायुक्त इस इमारत में SRIC(Sponsored research and Industrial Consultancy) जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों के लिए जगह होगी, ट्रेनिंग और प्लॉसर्मेंट के लिए स्थान होगा, सम्मेलनों के लिए कमरे होंगे एवं ATM एवं बैंकिंग के लिए जगह होगी।



2 लैबोरेटरी कांप्लेक्स

पिछले 2 वर्षों में ही प्रथम वर्षीय छात्रों की संख्या डेढ़ गुना हो गई है। इसलिए भौतिकी इलेक्ट्रीकल टेक्नॉलॉजी(ET), इलेक्ट्रॉनिक्स(EC) एवं भाषा (Language) इन चार लैब्स को इस तीन मंजिला इमारत में समाहित किया जाएगा।



3 सड़क चौड़ीकरण

मोटर गाड़ियों एवं साईकिलों के लिए पृथक लेन का निर्माण, फूटपाथ का निर्माण एवं स्टोर्म वॉटर फ्लैनेज का निर्माण अपेक्षित है। उपरोक्त सब निर्माण कार्यों के अलावा प्रो धांग ने कहा कि पिछले 60 वर्षों से कैंपस का फैलाव ही हो रहा है। सीमित क्षेत्र के कारण यह और ज्यादा नहीं हो सकता, इसीलिए ऊँचाई के विस्तार की ओर ध्यान देते हुए बहुमंजिला छात्रावास एवं इमारतें बनाने की पहल की जाएगी।



ओबामा ने की सुपर 30 की प्रशासा:

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के इन्वोएटरी द्वारा हुसैन ने सुपर 30 को देश का सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान घोषित किया है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि भारत में उन्होंने जो भी देखा उसमें यह उत्कृष्ट था। सुपर 30 विगत 8 सालों से ,चुने गए 30 गरीब मेधावी छात्रों को मुफ्त जे.ई.ई कॉर्पोरेशन उपलब्ध कराता है।



2011 जे.ई.ई में कोई परिवर्तन नहीं:

लगातार लग रही अटकलों को नकारते हुए जे.ई.ई बोर्ड ने यह फैसला लिया है कि जे.ई.ई 2011 के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं होगा। आई.आई.टी कानपुर में हुई बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। गौरतलब है कि पिछले साल से जे.ई.ई में परिवर्तन को लेकर कई सुझाव आ रहे थे और 2010 के जे.ई.ई पैटर्न में हुई गड़बड़ी से इस मुद्दे को तूल मिला था।

दंडित डॉक्टरों को आई आई टी फैकलाटी का समर्थन:

पिछले वर्ष रोहित कुमार की मौत के केस में 2 डॉक्टरों को मिली सजा का आई आई टी टीचर्स एसोशिएशन ने विरोध किया है। उल्लेखनीय है कि मेडिकल इन्क्वाइरी टीम ने उन दोनों को कलीन चिट दे दी थी।

अमित चैटर्जी बने Microsoft India के नए एम.डी.:



आई.आई.टी खड़गपुर के विद्यार्थी रह चुके अमित चैटर्जी Microsoft India के नए एम.डी. चुने गए हैं। प्रेसिडेन्ट गोल्ड मेडल और टेक्नोलॉजी एलमनाइ एसोशिएशन - गोल्ड मेडल जीतने वाले अमित को इसी साल "IIT Kharagpur - Distinguished Alumnus" अवार्ड भी मिला था।

parliamentary debate में IIT खड़गपुर को कांस्य

IIT खड़गपुर की टीम ने आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित टेकफैस्ट 'टेक्निश' में आयोजित पार्लियामेंट्री डिबेट में कांस्य पदक प्राप्त किया। 2 से 6 सितम्बर तक चले इस फैस्ट की इस प्रतियोगिता में 11 टीमों ने भाग लिया। आईआईटी खड़गपुर की तरफ से दो टीम भेजी गई। जाहाँ पीरूष बाग़दिया, आदर्श मैथ्यू और अर्पण आहूजा की टीम ने कांस्य प्राप्त किया, वहीं साई सचिन, शौनक चक्रवर्ती और प्रतीप शर्मा क्वार्टर फाइनल तक पहुँचे। गौरतलब है कि ये सभी डिबेट क्लाब, आईआईटी खड़गपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र हैं।

Pan IIT Meet

2004 में शुरू हुई pan iit meet इस बार 29-31 को ग्रेटर नोएडा में आयोजित की जा रही है। राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल इसका उद्घाटन करेगी। iit के alumni इसके तहत देश के विकास के लिए योजना तैयार करते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल आरंभ की गई reach for india काफी साराहनीय कार्य कर रही है।



हाल ही में IIT खड़गपुर में दिनांक 3,4 व 5 सितम्बर को National Association of Students of Architecture (NASA) का बहुप्रतीक्षित क्षेत्रिय सम्मेलन ZONASA'10 आयोजित हुआ जिसमें जोन-4 के 11 कालेजों के छात्रों ने लिया। समारोह का आयोजन IIT खड़गपुर के Architecture Department के छात्रों द्वारा किया गया। पिछली बार 2004 में होने के बाद यह सम्मेलन हमारे संस्थान में 6 साल के अंतराल के बाद हुआ।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन प्रो अमित पात्रा (डीन, अनुमानी अफ्फैर्स) ने किया। समारोह में मुख्यतः architecture से जुड़ी प्रतिरूपीय हुई जिन्हें Formal, Informal एवं Casual नामक तीन श्रेणीयों में बांटा गया। BIT मेसरा Zonasa'10 की विजेता टीमरही। इस वर्ष IIT खड़गपुर ने Zonasa में Kgp Green Tour व Design 27 जैसे कार्यक्रमों को भी शामिल

किया। Architecture से जुड़े कार्यक्रमों के अलावा इस समारोह में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ जिसमें सिर्फ प्रथम वर्ष के छात्रों ने जोश से भरपूर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। CET भूवनेश्वर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विजेता टीम रही। 7 घंटों तक चलने वाली Main design काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता थी जिसको BESU, कोलकाता ने जीता।

Zonasa'10 के अन्तर्गत IIT खड़गपुर में कई सेमिनारों का आयोजन हुआ, जिनमें AUTODESK द्वारा आयोजित BIM, प्रो मनियारसन की फोटोग्राफी पर वर्क शॉप, प्रो नित्य श्रीनिवासन के सेमिनार मुख्य आकर्षण थे। इस समारोह में IIT खड़गपुर के alumni सहित architecture से जुड़ी देश की कई जानी मानी हस्तियों ने हिस्सा लिया। Zonasa'10 एक सफल आयोजन रहा। यह सम्मेलन न सिर्फ IIT खड़गपुर बल्कि समस्त जोन 4 के कालेजों के लिये एक बड़ी उपलब्धि थी।

technology कार्टून कोना





GOYAL INFOTECH

**PROVIDING EFFICIENT SALES,
SERVICE SINCE 11 YEARS IN IIT KGP.
Email & gtalk id : goyalinfotech@gmail.com**

**Cell No. 9932481451,
9333359460, 220158.**

Goyal Infotech is an Authorised Dealer of Dell, HP, Compaq, Asus, Lenovo, Zenith, Acer, Laptops and Desktops.

Goyal Infotech has an 11 year experience in computer, Laptop Sales & Service, Serving Lakhs of IITians .

Our Technicians have Complete Knowledge and Ample experience in Laptop and Desktop problems, including Chip Level Repairing.

We quote prices lower than the Market prices, With Various Student Offers with most reliable Products & Services.

We give After Sales Service to All products which is in Warranty / Out of Warranty, Purchased from any Where in Kgp, or Outside Kgp.

We quote prices lower than the Market prices, With Various Student Offers with most reliable Products & Services.

We give Service at your Door. So never take Wrong Decision in Buying Laptop From Home Town or Outside KGP.

Convince your Parents about benifits of buying from KGP. & inturn be tension free in entire career in IIT about Laptop Problems.

- ☞ Never buy a laptop only considering price point.
- ☞ Never hurry your purchase as this is very expensive.
- ☞ Buy only from an authorised Dealer, after proper enquiry. Always prefer local purchases.
- ☞ Always check the authenticity of products, and ensure fair business dealing.
- ☞ Ensure proper computerised billing of the product purchased.
- ☞ Extend your Warranty on Laptop of Dell, Sony, Asus, Lenovo, Acer etc.
- ☞ Gauranteed Laptop Repairing, all Laptop Spares, Battery, Adaptors, MotherBoard, LCD Etc.



DELL INSPIRON 15R S560912
Intel ® Core™ i5 450M CPU
2.4 GHz Turbo upto 2.66 Ghz.
3MB Cache, Windows® 7 Home Basic, Camera 1.3MP, 500 GB HDD, 4GB DDR3 RAM, 1 GB ATI Mobility Radeon HD 5470, 15.6" HD WLED, DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, 1 Year Complete Cover With Accidental Damage Protection



DELL INSPIRON 14R S560914
Intel ® Core™ i5 450M Processor (2.4 GHz Turbo upto 2.66 Ghz. 3MB Cache), Windows® 7 Home Basic, Camera 1.3MP, 320 GB HDD, 4GB DDR3 RAM, Graphics Integrated, 14" HD LED, DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, Warranty 1 Year Complete Cover With Accidental Damage



DELL INSPIRON 14R S560916
Intel ® Core™ i3 370M CPU
2.26 GHz 3MB Cache, Windows 7 Home Basic, Camera 1.3MP, 320 GB HDD, 3GB DDR3 RAM, 1 GB ATI Mobility Radeon 5470 14" HD LED, DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, 1 Year Complete Cover With Accidental Damage Protection.



DELL STUDIO 15 S560840
Intel ® Core™ i5 450M CPU
2.4 GHz 3MB Cache, Windows® 7 Home Premium, Camera 2 MP, 500 GB HDD 7200 RPM, 4GB DDR3 RAM, 1 GB ATI Mobility Radeon HD 5470, 15.6" WLED HD 720p, Slot DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, Warranty 1 Year Complete Cover With Accidental Damage Protection, Backlit Keyboard.



DELL INSPIRON 15R S560805
Intel ® Core™ i3 370M CPU
2.26 GHz 3MB Cache, Windows 7 Home Basic, Camera 1.3MP, 320 GB HDD, 3GB DDR3 RAM, Graphics Integrated, 15.6" HD WLED, DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, 1 Year Complete Cover With Accidental Damage Protection.
INSPIRON 15R S560903
same as above only free DOS in Lieu of Windows 7 Home Basic, No McAfee Antivirus.



DELL INSPIRON 14R S560904
Intel ® Core™ i3 350M CPU
2.26 GHz 3MB Cache, Windows 7 Home Basic, Camera 1.3MP, 320 GB HDD, 3GB DDR3 RAM, Graphics Integrated, 15.6" HD LED, DVD+/-RW, Belkin Bag Pack, McAfee 15 Months, 1 Year Complete Cover With Accidental Damage Protection.
INSPIRON 14R S560902
same as above only free DOS in Lieu of Windows 7 Home Basic, No McAfee Antivirus.

**Other Model of all Brands contact at our Showroom or Contact us at :
PURI GATE, IIT MAIN ROAD, KGP. Cell 9932481451/9333359460/220158**